हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 4 अगस्त 2025

9 गांव नूना माजरा में हुई काव्य गोष्ठी

10 खेत की हर मेड़ पर पेड़ लगाने का अभियान चलाया

खबर संक्षेप

आईआईटी मद्रास में हुआ मयंक का चयन

बहादुरगढ़। भारत के प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान आईआईटी मद्रास में नया गांव निवासी मयंक राणा का चयन हुआ है। मयंक के माता-पिता प्राध्यापक है। ब्रह्मजीत राणा और रेणु राणा ने बताया कि इससे पहले उनके पुत्र मयंक ने आईएसईआर में भी ऑल इंडिया 1230 रैंक प्राप्त कर प्रवेश पाया था। आईएमयू में भी ऑल इंडिया 193 रैंक लेकर मुंबई संस्थान में दाखिला पाया था। लेकिन अब उसे ऑल इंडिया 1236 रैंक के साथ आईआईटी मद्रास में एडमिशन मिला है।

वाहन रजिस्ट्रेशन की नई सीरीज शुरू : एसडीएम

झज्जर। एसडीएम एवं रजिस्टरिंग अथॉरिटी अंकित कुमार चौकसे ने बताया कि वाहन पंजीकरण, झज्जर में एचआर-14 डब्ल्यू सीरीज समाप्त हो चुकी है और नई सीरीज एचआर-14 एक्स आरंभ हो रही है। इच्छुक व्यक्ति पेड नंबर लेने के लिए परिवहन पोर्टल पर जाकर अपना यूजर आईडी बनाकर ऑनलाइन ऑक्शन के माध्यम से अपनी पसंद का वाहन रजिस्ट्रेशन नंबर ले सकता है।

ऑटो की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत

झज्जर। खेतों से काम कर मोटरसाइकिल पर घर वापिस लौट रहे किसान को ऑटो चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि किसान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस बीच ऑटो चालक अपना वाहन छोड़ कर मौके से फरार हो गया। शनिवार की रात करीब दस बजे हुए इस सड़क हादसे की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा राहगीरों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान माजरा डी गांव निवासी करीब 64 वर्षीय जयभगवान पुत्र लक्ष्मण के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी योमेश ने बताया कि दुर्घटना के बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। मृतक के पुत्र सुरेंद्र की शिकायत पर ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

ग्रामीण बोले-एक प्लांट से निकल रहे गंदे पानी से उनकी फसल नष्ट हुई जल्द से जल्द मुआवजा देने की मांग

आसौदा टोडरान में भी फसल के साथ डूबे किसानों के अरमान

बहादुरगढ़। आसौदा के खेतों में भरा गंदा पानी दिखाते किसान।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

जलभराव के कारण गांव आसौदा टोडरान के किसानों की मेहनत पर भी पानी फिर रहा है। बड़े रकबे में खड़ी फसल पूरी तरह से बर्बाद हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि एक प्लांट से निकल रहे गंदे पानी से उनकी फसल नष्ट हो गई। इससे उनमें भारी आक्रोश है। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश प्रवक्ता प्रवीन दलाल के अनुसार सरकार को तुरंत प्रभाव से इस गंदे पानी को बंद करवाना चाहिए। जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। राज सिंह दलाल, सत्यवान दलाल, नारायण सिंह, जिले सिंह, रमेश भारद्वाज, रामनिवास भारद्वाज, राकेश दलाल, जितेंद्र दलाल व नरेश भारद्वाज आदि ने बताया कि पहले भी कई बार प्लांट के गंदे पानी की शिकायतें की गई थीं। लेकिन अधिकारियों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

खेतों की मिट्टी हुई खराब

अब स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि खेतों की मिट्टी खराब हो गई है और आने वाले सीजन की बुवाई भी संकट में है। उन्होंने कहा कि गंदे पानी की निकासी पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। बर्बाद हुई फसलों का सर्वे करवाकर जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। सख्त निगरानी और जवाबदेही तय की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बेरी विधायक ने कई गांवों में जलभराव का जायजा लिया

बहादुरगढ़। ग्रामीणों से जलभराव की जानकारी लेते डॉ. रघुबीर कादयान।

बहादुरगढ़। सिंचाई विभाग की कोताही के कारण बाढ़ सरीखे हालात झेल रहे गांव छुड़ानी में पहुंचकर बेरी के विधायक डॉ. रघुबीर कादयान ने रविवार को जलभराव का जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने रोहद व दुजाना में भी जलभराव की स्थित देखी और परेशान ग्रामीणों से मुलाकात की।बता दें कि बहादुरगढ़ व बेरी हलके के कई गांवों में जलभराव की समस्या से किसान परेशान हैं। उनकी फसलों के साथ ही उम्मीदें भी पानी में डूबी हैं और शासन-प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। इन हालात में बेरी के विधायक डॉ. रघुबीर कादयान रविवार को गांव छुड़ानी, रोहद व दुजाना पहुंचे। उन्होंने सरकार से तुरंत जलनिकासी की व्यवस्था करने के साथ ही स्पेशल गिरदावरी करवाकर किसानों को फसल खराबे का मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि जलभराव के स्थाई समाधान की पुख्ता योजना बनाई जानी चाहिए। इस अवसर पर विजय अहलावत, रवि कादयान, परमजीत दलाल, सरपंच विनोद सहवाग, अजीत, पूर्व सरपंच प्रताप, सतबीर व अन्य मौजूद रहे।

कच्चा बादली रोड पर दुकानदारों के लिए मुसीबत बना बरसाती पानी

झज्जर। कच्चा बादली रोड पर भरा बरसाती पानी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

कच्चा बादली रोड पर के दुकानदारों के लिए बरसाती पानी मुसीबत बना हुआ है। सड़क पर दूर तक जलभराव होने के कारण जहां राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं दुकानदारों की ग्राहकी भी प्रभावित हो रही है। जल भराव के कारण दुकानदार हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं।

दुकानदार वीरेंद्र, अजीत, सागर, धर्मवीर और रामचंद्र ने बताया कि यह समस्या हर बारिश में सामने आती है। नालों की उचित प्रकार से साफ-सफाई न होने के कारण पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर फैल रहा है। पिछले दो-तीन दिनों से रुक-रुक हो रही बरसात के चलते अनाजमंडी परिसर व अन्य स्थानों पर जल भराव हुआ था।

नालों की सफाई न होने के कारण अब पानी सड़क पर जमा हो रहा

ऐसे में पंप सेट लगाकर पानी निकासी जा रही है। नालों की सफाई न होने के कारण अब पानी सड़क पर जमा हो रहा है। ऐसे में राहगीरों को भी निकलने में परेशानी आ रही है। इससे न केवल दुकानों का कारोबार प्रभावित हो रहा है, बल्कि राहगीरों को भी कीचड़ और गंदगी में चलना पड़ रहा है। दुकानदारों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द नालों की सफाई कर स्थायी समाधान करने मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन जल्द से जल्द पानी की निकासी करवाए।

पीजी कक्षाओं के दाखिले के लिए फीस भरने की अंतिम तिथि आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

सोमवार को उच्चतर शिक्षा विभाग ने विभिन्न कॉलेजों की एमए, एमएससी, एमकॉम आदि स्नातकोत्तर कक्षाओं की मेरिट लिस्ट की फीस भरने की अंतिम तिथि है। नेहरू कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि अब तक विभिन्न कक्षाओं के 53 विद्यार्थियों ने फीस जमा करवाई।

इनमें एमए अंग्रेजी के 11, एमए भूगोल के पांच, एमए हिंदी के छह, एमए जनसंचार एवं पत्रकारिता के छह, एमए मनोविज्ञान के चार और एमकॉम के आठ, एमएससी कंप्यूटर विज्ञान के चार और एमएससी गणित के नौ विद्यार्थियों ने फीस जमा करवाई है।

इससे पहले वीरवार को एमए अंग्रेजी के लिए 28, एमए हिंदी के लिए भी 27, एमए पत्रकारिता एवं जनसंचार के लिए 13, एमए मनोविज्ञान के लिए 18, एमए भूगोल के लिए 22,एमकॉम के लिए 21, एमएससी कंप्यूटर विज्ञान के लिए 21 और एमएससी गणित के लिए 20 विद्यार्थियों की सूची जारी की गई थी। उन्होंने बताया कि नेहरू कॉलेज में एमए हिंदी की 30, एमए अंग्रेजी की 30, एमए पत्रकारिता एवं जनसंचार की 30, एमए मनोविज्ञान की 40, एमए भूगोल की 40, एमएससी गणित की 40, एमएससी कंप्यूटर विज्ञान की 40 और एमकॉम की 120 सीटें हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों के लिए 253 आवेदन किए गए थे।

दस्तावेजों की जांच करवाना जरूरी

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि फीस भरने के बाद कॉलेज में अपने दस्तावेजों की जांच करवाना भी जरूरी है। ओपन काउंसलिंग पांच अगस्त से शुरू होगी और छह अगस्त से नए आवेदकों के लिए भी वेब पोर्टल खुलेगा। उन्होंने बताया कि छह अगस्त से 12 अगस्त तक 100 रुपये लेट फीस के साथ ओपन काउंसलिंग जारी रहेगी। इसके बाद 13 अगस्त से 19 अगस्त तक 100 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त लेट फीस लगेगी।

चिमनी में दो घरों को चोरों ने खंगाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

क्षेत्र के चिमनी में शनिवार की रात चोरों द्वारा दो घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित फूलकुमार ने बताया कि उन्होंने सुबह जब उठकर देखा तो कमरों का सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। जब उन्होंने चोरी हुए सामान का जायजा लिया तो पता चला कि चोर उसके घर से जहां उसकी बाइक चुरा ले गए वहीं अलमारी का ताला तोड़ कर उसमें रखी करीब चालीस हजार रुपये की नकदी और सोने व चांदी के आभूषण भी चोरी कर ले गए। इसी प्रकार नीरज ने बताया कि उसके घर में चोरों द्वारा चोरी की घटना की अंजाम को दिया गया है। उसे घर से सोने-चांदी के आभूषणों के अलावा घर में रखी करीब तेरह हजार रुपये की नकदी चोरी हुई है।

- आभूषण नकदी व बाइक ले चोर

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

पुलिस द्वारा एक ही रात में दो स्थानों पर हुई चोरी को लेकर गांव में लगे सीसीटीवी खंगाले जा रहे है। एफएसएल टीम द्वारा पीड़ितों के घर पहुंच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

अवैध शराब की खेप के साथ तीन युवक गिरफ्तार, केस दर्ज

बहादुरगढ़। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से तीन व्यक्तियों को अवैध शराब के साथ काबू किया है। सीआईए वन की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आसौदा मोड़ से थोड़ा आगे खरखोदा रोड पर बंद शराब के ठेके के कमरे में अवैध शराब पकड़ी। वहां यामीन निवासी दुजाना को अंग्रेजी शराब की 148 बोतल, देसी शराब की 768 बोतल व बियर की 132 बोतल के साथ पकड़ा गया। सीआईए टू की टीम ने गांव निलोठी में बैंक के सामने बनी शराब की दुकान में अंग्रेजी शराब की 91 बोतल, देसी शराब की 107 बोतल व बीयर की 60 बोतल बरामद की। एंटी व्हीकल थेफ्ट की टीम ने गांव लोहारहेड़ी के मेन स्टैंड के निकट एक कमरे से अंग्रेजी शराब की 184 बोतल, देसी शराब की 400 बोतल व 216 बोतल बीयर बरामद की। यहां यूपी मूल के सतबीर को पकड़ा गया। सीआईए टू की टीम ने गांव बराही अड्डे के नजदीक दुकान पर के अंदर से अंग्रेजी शराब की 338 बोतल, देशी शराब की 312 बोतल व बीयर की 90 बोतल बरामद की। राजस्थान मूल के रघुवीर को काबू किया गया। आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किए गए हैं।

पानी की हर बूंद को बचाने का ले संकल्प : उपायुक्त

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि हरियाणा सरकार ने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने और राज्य को जल संपन्न बनाने की दिशा में अभियान शुरू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आहवान को केंद्र में रखते हुए इस अभियान को संकल्प भी, कर्तव्य भी के नारे के साथ शुरू किया गया है। इस अभियान से संदेश दिया है कि पानी की हर बूंद बचाने से न केवल हमारे लोगों की मदद होती है, बल्कि हमारी प्रगति में तेजी भी आती है।

गुलिया बने हरियाणा परिवहन कर्मचारी संघ के डिपो प्रधान

झज्जर। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित हरियाणा परिवहन कर्मचारी संघ के डिपो कार्यकर्ताओं की बैठक रविवार को महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण नोहरा ने की जबिक मंच संचालन प्रदेश महामंत्री धर्मेंद्र कुमार सीवन द्वारा किया गया। बैठक में भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष छोटा गहलावत व मंत्री प्रदीप गोच्छी ने विशेष रूप से शिरकत की। प्रदेश उपाध्यक्ष समय सिंह व प्रदेश मंत्री अमित महराना ने संबोधित करते हुए कर्मचारियों की लंबित मांगों व समस्याओं बारे विचार-विमर्श किया। सभी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में हरियाणा परिवहन कर्मचारी संघ की डिपो कार्यकारिणी को भंग करके नई कार्यकारिणी गठित की गई। सर्व सम्मत्ति द्वारा अमित गुलिया को डिपो कार्यकारणी का प्रधान नियुक्त किया गया।

श्रीराधा मदन गोपाल की महाआरती के साथ कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

इस्कॉन मंदिर में प्रभु ने किया नौका विहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में नाहरा-नाहरी रोड स्थित इस्कॉन मंदिर में रविवार को नौका विहार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। नौका विहार उत्सव ने एक तरफ जहां भगवान की लीलाओं का स्मरण कराया, वहीं कृष्ण भक्तों को आध्यात्मिक आनंद प्रदान किया।

भजनों से गुणगान

रविवार को शाम होते ही रुक्मिणी कृष्ण प्रभुजी, सुंदर गिरधारी प्रभु, मनोहर मुरारी प्रभु, मधुशंका प्रभु, राजेंद्र प्रभु और योगेंद्र पांडे प्रभु आदि की उपस्थिति में यह कार्यक्रम शुरु हुआ। मंदिर प्रांगण में शुद्ध जल भरकर ताल का रूप दिया गया था और इस ताल को मनमोहक फूलों से सजाया गया था। श्रीराधा मदन गोपाल की महाआरती के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में नाहरा-नाहरी रोड स्थित इस्कॉन मंदिर में कार्यक्रम
- मंदिर प्रांगण में शुद्ध जल भरकर ताल का रूप दिया गया और इस ताल को मनमोहक फूलों से सजाया गया

मंदिर में राधा-कृष्ण का आकर्षक शृंगार किया गया

संकीर्तन और मधुर भजनों के बीच में प्रभु को नौका विहार कराया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। विक्रम महेश्वरी ने बताया कि नौका विहार एक प्राचीन उत्सव है। मंदिर में हर साल इस उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस दौरान मंदिर में राधा-कृष्ण का आकर्षक शृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मिस बहादुरगढ़ बनीं दीक्षा भारद्वाज का किया सम्मान

■ आयोजकों ने दीक्षा के आत्मविश्वास व प्रतिभा को सराहा

बहादुरगढ़। एक कंपनी द्वारा आयोजित सौंदर्य स्पर्धा में मिस बहादुरगढ़ का खिताब जीतने वाली दीक्षा भारद्वाज का रविवार को सम्मान किया गया। आयोजकों व अतिथियों ने दीक्षा की प्रतिभा और आत्मविश्वास को सराहा। रविवार को श्याम मोटर परिसर में दीक्षा भारद्वाज के सम्मान में एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें केसरिया हिंदू वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव दिनेश शेखावत ने दीक्षा को क्राउन पहनाया। प्रतियोगिता में मिला प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम आरबी गौड़, चेयरमैन प्रतिनिधि रमेश राठी, पार्षद राजकुमारी हरिमोहन धाकरे, भाजपा अटल मंडल अध्यक्ष पंकज गर्ग, सुदेश रंगा, अखिलेश शेखावत, अभिषेक, सुधीर, मनोज सिन्हा, संदीप गुलिया, विक्रम छिल्लर, मधु मित्तल, पार्षद राजेश तंवर, अंकित बंसल, नारायण लाखोटिया, विकास, मंजीत, विनोद शर्मा व संजीव भाटिया आदि ने दीक्षा और उसकी मां पूनम कौशिक को बधाई दी।।

कैंसर पीड़ितों की सहायता के लिए 36 ने किया रक्तदान

झज्जर। शिविर में रक्तदान करते युवा।

झज्जर। इंडेप्थ विजन फाउंडेशन तथा सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया द्वारा क्षेत्र के गांव मालियावास में कैंसर पीड़ितों की सहयतार्थ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एक्त एकत्रित करने का कार्य एम्स बाढ़सा की रक्तकोष टीम ने किया। ग्राम सरपंच कृष्णा देवी व अतिथि विनय सहरावत ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया। शिविर में 36 युवाओं द्वारा रक्तदान किया गया। सभी रक्तदाताओं को संस्था की ओर से प्रशस्ति पत्र व इम्यूनिटी बूस्टर किट प्रदान किए गए। इस मौके पर मोहित, संदीप, अंकित सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप-प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे।

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अब तो शारदा को बिना आवाजों के जीने की आदत हो गई है और साहब को भी अब बिना आवाजों के जीना पड़ेगा.....क्योंकि आवाजें चली गई हैं... सदा सदा के लिए... हालांकि कभी-कभी वह महसूस करता है कि आवाजें जरूरी होती हैं....क्योंकि वह हमारे होने का पता देती हैं.... आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें भी हैं..... आवाजें हमारी श्रवण शक्ति का प्रमाण ही तो हैं... आवाजें न हों तो हमारे न होने का भ्रम पैदा होता है..... लगता है जैसे हम हैं ही नहीं... लेकिन आवाजें चली गई और अपने साथ कानों को भी लेती गई.... शारदा घर में थी तो जैसे उसकी खुसर-पुसर ... दबे पांव चलने की कलाकारी ... जिंदगी का पता देती थी... लेकिन अब तो तमाम फुसफुसाहटें बीते जमाने की बातें हो गई हैं। शारदा को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती ... जब उसे सिंक में बर्तन साफ करने होते ... हालांकि वह बहुत ध्यान से एक एक बर्तन पर विम लगाती ... फिर पानी की टोंटी का प्रैशर ध्यान से खोलती ... पानी गिरने की आवाज भी कभी-कभी उसे चौंका देती... खासकर तब, जब बर्तन बड़ा होता और साहब घर पर होते... लेकिन वह झट से पानी को और भी कम कर देती क्योंकि साहब को आवाजें पसंद नहीं ...

उसे याद है शादी के बाद एक दो-बार को छोड़कर कभी भी साहब को यह नहीं कहना पड़ा..... शारदा..sss.....अब तो साहब ने कालेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है। ज्यादातर घर ही रहते हैं। लिखते-पढ़ते हैं और पेंशन के अलावा अपने लिखने से ही काफी कमा लेते हैं। वे अखबारों में लिखते हैं ... किताबें लिखते हैं... उनके पास दुनियाभर की बातें होती हैं ... लिखने को अकेले घंटों बैठे रहते हैं और हुक्का गुड़गुड़ाते हैं । हुक्का भी उनका छोटा सा ही है..... क्योंकि उन्हें पता है... बड़ा हुक्का ज्यादा आवाज करता है । शारदा की और साहब की उम्र में हालांकि 12 साल का फासला है... लेकिन फिर भी शारदा को अपना चुपजदा जीने का ढंग सीखने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके लिए वह अपनी दादी मां की बड़ी शुक्रगुजार है। उसे याद है जब वह छोटी थी ...महज 9 साल की ... पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी । बड़ा परिवार था । सब भाई बहन खाना खा रहे थे ।खाना खाकर शारदा ने जोर से डकार मारी...तो दादी ने तुरंत उसकी क्लास ले ली थी... ए !! लड़की !! ये क्या बेशर्मी है ? कुछ तो तमीज सीख ले... इतनी बड़ी हो गई है... और किसी बात की लियाकत नहीं है। खबरदार !! जो इतनी जोर से डकार मारी... अगले घर जाएगी... तो नाक कटवाएगी अपने बाबा की । बाबूजी भी सुनकर भीतर आए थे ... उसे याद है ... हालांकि बाबूजी ने तो उस दिन उसी की तरफदारी की थी। उन्होंने कहा था 'अरे ! क्या अम्मा ..छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को डांटती हो... हो जाएगी सयानी अम्मा... अभी बच्ची है...। अम्मां को हालांकि दादी का डांटना बुरा लगता था। लेकिन वह कभी बोल कर उनका विरोध नहीं करती थी । बहुत हुआ तो बस किसी बहाने से बच्चे को पकड़ कर अंदर ले जाती थी। घर में... खासकर लड़कियों का ऊंचा बोलना ... खाते वक्त पचर-पचर की आवाज करना... जोर से दरवाजा बंद करना... कुंडी को जोर से खोलना व जोर से हंसना ... बिल्कुल बैन था। उसे याद है जब एक बार सब आंगन में बैठे थे । शाम का वक्त था ... बड़े पलंग पर बच्चे मस्ती कर रहे थे... कि बड़की ने पाद मार दिया और सब बच्चे हंसने लगे, पहले धीरे-धीरे फिर जोर जोर से... छोटू की हंसी तो रुक ही नहीं रही थी.... कि दादी से रहा नहीं गया और वह फट पड़ी... क्या बेशर्मों की तरह दांत निकाल रहे हो..... कुछ तो शर्म करो... बड़े छोटे की ... और छोटू ने कहा था ..'दादी अम्मा !! बड़की ... और... बड़की चुपचाप उठकर अंदर चली गई थी। उस दिन शारदा को एक सबक मिला और फिर वह इस तरह की समस्याओं से निपटना सीख गई। साहब तो शादी भी नहीं करना चाहते थे । उन्हें छब्बीस साल की उम्र में नौकरी मिली और करीब सात साल तक शादी से बचते रहे। हालांकि इस बीच परिवार का दबाव भी आया। लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। कॉलेज में भी ले देकर एक मित्र था उनका, जिससे उनकी पटती थी । उसने भी बहुत कहा... 'यार ! शादी कर लेता.. तो हम भी तेरी बारात में नाच लेते एक दिन ... बीयर वीयर पीकर । कसम से ... आज तक नाचा नहीं हूं ... यार !! और यह हसरत मेरे साथ ही जाएगी...तो देख! तुझे पाप लगेगा .. देख ले... और साहब हंस कर टाल जाते। फिर एक दिन इतवार को वे अपनी बूढ़ी अम्मा के साथ शारदा को देखने आए। शारदा तब इक्कीस की थी और बी. ए. करके पढ़ाई छोड़ चुकी थी। साहब तैंतीस के हो चुके थे और शारदा उनसे बारह साल छोटी थी.. लेकिन गनीमत यह थी कि साहब तैंतीस के लगते नहीं थे और शारदा का भरा हुआ शरीर उसे किसी भी कीमत पर पच्चीस से नीचे दिखाने को तैयार नहीं था। साहब को भी अब जिंदगी की सच्चाई का पता चलने लगा था। भाई वाई सब अपने -अपने काम धंधे जमा कर अपना अलग आशियाना बसा चुके थे। घर में मां और वे बस दोनों ही रह गए थे। मां की क्षमताएं अब धीरे-धीरे चूक रही रही थी तो उनका मन बना कि चलो अब शादी की जानी चाहिए और वे शारदा को देखने पहुंच गए।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर । शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे। बाबूजी की उन्होंने बस दो बातें मान ली थी कि .. एक... इतवार को मुहूर्त नहीं है, अतः आप गुरुवार को आएं...और दूसरी ... हमारी अम्मा जी चाहती हैं कि वरमाला के साथ फेरे जरूर हों और यह दोनों बातें साहब ने मान ली थी । बाकी तो बाबूजी, अम्मा जी और शारदा भी किसी प्रकार के ढोल ढप्पर और बड़े तामझाम के पक्ष में नहीं थे। शारदा जब आई तो उसने देखा कि उसका खूब सारी जगह में खूब सारे दरख़्तों के बीच तीन कमरों का अस्त-व्यस्त मकान है। उसके सभी कमरे लाइब्रेरीनुमा हो गए हैं। अम्मा जी के कमरे में भी किताबें हैं। साहब का कमरा तो है ही किताबों का समंदर। बाहर बरामदे में भी यत्र-तत्र पुराने अखबारात, तरह-तरह के रसाले, चिट्ठियां, पत्रिकाएं भरी पड़ी हैं। पीछे खूब बड़ा सा गुसलखाना है लेकिन लकड़ी का एक पुराना रैक वहां भी है और उस पर भी नए-पुराने अखबार, पत्र -पत्रिकाएं पड़ी हैं। दो बड़े कमरों के बीच रसोई है तथा दोनों कमरों व रसोई से बाहर निकलो तो बरामदे में एक बड़ा दरवाजा आने-जाने के लिए है। यानी बरामदे के दरवाजे को बंद कर दो तो फिर कमरा और रसोई को बंद करने की कोई जरूरत नहीं रहती । शारदा को करीब एक सप्ताह लगा... कि उसने घर को एक करीना दिया। अब सब कुछ यहां व्यवस्थित था। शारदा को शुरू में बहुत ताज्जुब होता कि यहां आवाजें बहुत कम सुनाई देती हैं। साहब और अम्मा जी बाहर पेड़ों के नीचे घंटों बैठे रहते लेकिन बिल्कुल चुपचाप .... कभी कुछ उनमें बातचीत भी होती तो बिल्कुल धीरे-धीरे फुसफुसाते हुए। कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब कुछ लिख रहे हैं या पढ़ रहे हैं और अम्मा जी चुपचाप बैठी हैं और उन्हें देखती रहती हैं या कि कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं और चुपचाप बैठे हैं। एक निश्चित समय पर शारदा चाय बना लाती। तीनों चुपचाप बैठकर चाय पीते। अब तो शारदा साहब के देखने भर से समझ जाती हैं कि उन्हें क्या चाहिए या की चाय कैसी बनी है। साहब की पसंदगी-नापसंदगी सब पता है शारदा को। यहां तक कि साहब के साथ बिस्तर पर भी... हालांकि शुरू-शुरू में उसकी सांसें खूब तेज हो जाती थी। अंतरंग क्षणों में और चरम पर पहुंचकर वह खूब जोर से चीखना चाहती.... फिर एक बार साहब ने उन्हें फुसफुसाते हुए ..कहा था कि सांसों को व्यवस्थित रखने से समय बढ़ता है और आंखें बंद कर इस आनंद को पी जाने से चरम सुख कई गुना हो जाता है। सुनकर वह चौक गई थी और बीच रास्ते से ही वापस लौट आई थी। अब तो खैर बच्चे हो गए हैं और बच्चे भी चुपचाप ही हुए शारदा को .... निक्की के समय तो उसे समझ ही नहीं आया काफी समय कि यह सब कैसे होगा.... डॉक्टर को ताज्जुब हो रहा था कि यह कैसे चुपचाप आंखें बंद किए लेटी है। ऐसे समय में बहुत सी औरतें तो पूरा बखेड़ा खड़ा कर देती हैं। आसमान सिर पर उठा लेती हैं। हालांकि डिलीवरी घर पर ही हुई दोनों ... लेडी डॉक्टर घर पर ही आ गई थी। असल में शारदा को टेक्निक थोड़ी लेट समझ आई। डॉक्टर बार-बार कह रही थी कि जोर लगाओ... को-ऑपरेट योरसेल्फ ... लेकिन शारदा कंफ्यूज की ... जोर कहां लगाना है ... उसे नहीं पता कि को-ऑपरेट किसको करूं? सेल्फ मतलब कौन ? वो तो भला हो उस नर्स का जो डॉक्टर के साथ आई थी उसकी हेल्प करने को ... जब डॉक्टर थोड़ी देर के लिए वॉशरूम गई तो नर्स ने उसे फुसफुसाते हुए एक सूत्र बताया कि.. बीबी जी जब टॉयलेट जाते हैं तो कैसे जोर लगाते हैं.. पता है ना? तो बस! वैसे ही जोर लगाओ... और कमाल की टेक्निक उसके हाथ लगी ... अगली पांच-सात मिनट के बाद निक्की उसके पास सो रही थी। असल में फुसफुसाकर कही गई बातें शायद शारदा को जल्दी समझ में आती हैं। और फिर प्रसव पीड़ा का इजहार तो वह इसलिए भी नहीं करना चाहती थी कि उसे पता था ... साहब बाहर शहतूत के नीचे चुपचाप बैठे हैं और उन्हें बुरा लगेगा। कुक्कू के वक्त तो बिल्कुल भी समय नहीं लगा। उसे डॉक्टर की बात याद थी कि को-ऑपरेट योरसेल्फ ...और कुक्कू बड़े आराम से आ गया.. डॉक्टर के पहुंचने से पहले ही ... चुपचाप ... बिना आवाज ...मां बनने के बाद तो शारदा और भी कुछ आवाजों की अभ्यस्त हो गई है। वह इन आवाजों में कुछ बेआवाज तलाश रही है। वह जो चुपचाप चला आता है... वात्सल्य ... और दोनों स्तनों से बहता हुआ... वह जीवन द्रव्य कभी आवाज नहीं करता। रात को कुक्कू कुनमुनाता है तो न जाने कब चुपचाप यह जीवन- रस-स्रोत उसके छोटे-छोटे होठों के बीच पहुंच जाता है ...और साहब बिलकुल बेखबर सोते रहते हैं।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

कविता पं. कमल कांत भारद्वाज

सावन रस

सावन आया, सावन आया
देखो बादल और वर्षा लाया

डाल-डाल पर झूले डले हैं
चारों और फूल खिलें हैं

कोयल मोर पपीहा बोले
आओ सब मिल मल्हार बोलें

कान्हा से राधा बोलीं
बजाओ कान्हा तुम मुरली

इस वर्षा में सब भीगे रहें हैं
अपने मन को सब सींच रहे हैं

धरती यौवन से झूल रही है निर्जन
आँखों को आशाएं घेर रही हैं

कलियों पर आया उभार है
भँवरों पर चढ़ा मादकता का ख़ुमार है

सावन आया सावन आया
मनोरम मनभावित दृश्य है बनाया

कविता डॉ.कंचन मखीजा

मैं क्या हूँ

मैं अन्न का एक अंश हूँ-
जैसा दोगे भोजन,वैसा शरीर बन जाऊँ।
शुद्ध सात्विक अन्न मिले तो बनूँ ऊर्जा-
दूषित मिले आहार तो रोग विकृत बन जाऊँ।।
मैं विचारों की गूंज हूँ-
शब्दों के स्पंदन से मन की ध्वनि सुनाऊँ।
जीवन दिशा को तय करने वाला-
सूरज मैं बन जाऊँ।।
मैं व्यवहार की छाया हूँ-
कर्म कृति में आकर कर जाऊँ।
पीछे जो छूटा वो बंधन हूँ -
रक्त हृदय में बन जाऊँ।।
अन्न को समझों, मन को साधो,
चाल-ढाल से जीवन को मांझों।
आहार, विचार, व्यवहार में सच की-
दिव्य दृष्टि से खुद को आँको।।
अभी समय है, संभलो तुम,
भाव भक्ति के भर लो तुम।
आत्म ज्योति प्रदीप्त करो और-
जग में ओज बिखेरो तुम।।
विलय करो सब न्यून अहम् ।
योगः कर्मसु कौशलम् ।।

कविता सुमन जाजू

सैनिक भाई को पत्र

मैया, ये राखी भेज रही हूँ,
तेरे नाम का तिलक सहेज रही हूँ।
सीमा पर जो तू डटा खड़ा है,
वो मेरा गर्व, मेरा गहना बड़ा है।

तेरी बहन आज नहीं रोएगी,
तेरे साहस पर बस नाज़ ही बोलेगी।
हर साल जब तू दूर रहा,
मैंने राखी को और मजबूत कहा।

मैया, तू सिर्फ मेरा नहीं,
ये भारत माँ का वीर सपूत सही।
तेरी वर्दी में जो तेज है झलकता,
हर बहन का आशीष तुझमें दमकता।

तेरी हर गोली में विश्वास है,
तेरे कदमों में पूरा आकाश है।
जहाँ तू है, वहाँ डर की जगह नहीं,
तेरे जैसा भाई, हर बहन को कहीं नहीं।

आज मैं बाँध रही हूँ शब्दों की डोरी,
जिसमें प्रेम भी है, शक्ति की बोरी।
तू जिए सौ साल, वीरता के संग,
तेरे नाम का गाए ये भारत हर रंग।

राखी का ये धागा, तुझ तक उड़ चला,
देशभक्ति में रंगा, मेरा अभिमान चला।
सैनिक भाई, तू लौट के जल्दी आना,
तेरी बहन ने फिर गुलाब जामुन है बनाना।

कविता डॉ.कमलेश मलिक

सावन की बहार

बहें झोंके पवन के
जब बहारें झूम सी उठतीं
कहीं पीड़ा जगा देता
बरस जाता कहीं बादल
धरा का उर धड़क उठता
लहराता कहीं आंचल

दहकता है कहीं जियरा
हिलोरें हूक सी भरतीं
खुलते पंख मयूरों के
चातक रटता पिहू पिहू
छप्पर से मोती टपके
कोयल गाती कुहू कुहू

छमाछम नाचती बूंदें
सुरीली बांसुरी बजतीं
अंबर से उतरीं भू पर
नदी बनकर बहीं जातीं
समंदर को वरण करने
उलझतीं और टकरातीं

निज अस्तित्व खो देतीं
उसी में डूब सी जातीं
कहीं बहती है पुरवाई
कहीं बरपा कहर भारी
कहीं तो चांदनी बिखरे
कहीं घिरती है अंधियारी
प्रकृति का यही नर्तन
लताएं झूल सी उठतीं

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वशिष्ठ का आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि साहित्य कभी मर नहीं सकता और बदलते परिवेश में सोशल मीडिया और टीवी ने पुस्तकों से ध्यान हटाया है, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आज भी साहित्य खूब पढ़ा जा रहा है और पाठक प्रतिक्रिया भी खूब दे रहे हैं। उनकी नजर में लेखक जन्मजात होते हैं, उन्हें जबरन इजाद नहीं किया जा सकता।

साक्षात्कार ओ.पी. पाल

यथार्थ को कथ्य में समाहित करना आवश्यक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्य के क्षेत्र में हरियाणा के लेखकों ने विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार डॉ. सुरेश वशिष्ठ अपनी लेखनी के जरिए साहित्यिक और सांस्कृतिक साधना करने में जुटे हैं। उन्होंने एक रंगकर्मी, नाटककार, कथाकार और उन्यासकार के अलावा रंगकर्मी के रूप में सामाजिक सरोकारों के मुद्दों को उजागर करते हुए संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और अतीत से रूबरू कराने का प्रयास किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को भी उजागर किया है, जिसमें कोई भी लेखक और कलाकार यथार्थ की हकीकत को कथ्य में समाहित करके अपनी संस्कृति से विमुख होती युवा पीढ़ी को प्रेरित कर सकता है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक डा. सुरेश वशिष्ठ का जन्म 14 मार्च 1956 को दिल्ली के बरवाला गांव में पं. रघुवीर सिंह शर्मा व इन्द्रावती के घर में हुआ। वशिष्ठ के पूर्वज ठाकुरद्वारे की पूजा-अर्चना में पुजारी रहे और वाचन भी करते थे। उनके पिताजी दिल्ली के शिक्षा विभाग में शिक्षक, मुख्य शिक्षक और सहायक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। वहीं धार्मिक पुस्तकों का लेखन भी करते रहे। परिवार के ऐसे परिवेश में उनका प्रेरित होना स्वाभाविक था, जिसके चलते उन्हें लिखने की प्रेरणा मिलती रही है। बकौल सुरेश वशिष्ठ, उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गांव बरवाला में ही हुई। जबकि उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय से पूरी की। बाद में उन्होंने जामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली से 'हिन्दी नाटक और रंगमंचः बर्टोल्ट ब्रेख्त का प्रभाव' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। उन्होंने दिल्ली सरकार के अधीनस्थ विद्यालयों में प्रवक्ता (हिन्दी) के पद पर अनेक वर्षों तक कार्य किया। इसके बाद साल 2006 में द्वारा उनकी प्रधानाचार्य पर नियुक्ति हुई और इसी पद से वे 31 मार्च 2018 को सेवानिवृत्त हुए। साहित्यिक अभिरुचि के चलते उन्होंने शुरू में व्रत कथाओं को लिखना शुरु किया। जब वे नौवीं कक्षा में थे, तो हरियाणा के सोनीपत के एक गाँव में उनके मामा उनके पिताजी को हरियाणा के किसी गाँव में हुई घटना सुना रहे थे, तो उन्होंने भी उसे सुना और अगले दिन उसे अपनी कलम से लिख डाला। इस पर उनके एक सहपाठी ने शिक्षक से उसके नोवल लिखने की शिकायत की। इस पर शिक्षक ने आँखें तरेरी और जो लिखा था, उसे दिखाने को कहा। उनके मन में था कि उसे डाँट पड़ेगी, लेकिन शिक्षक ने जब उनकी लिखी कहानी को पढ़ा और पूछा कि यह सब लिखने का विचार कैसे आया, बताने पर मुझे शाबाशी मिली और वह उनकी पहली कहानी थी। लेखन और साहित्यिक सफर में परेशानी को लेकर डा. वशिष्ठ का कहना है कि लिखना दिलचस्प भी है और दुखदाई भी। लेकिन यथार्थ में जो हो रहा है, उसे लेखन का विषय बनाया जाना चाहिए। उसके बाद उन्हें कथा-कहानी और शेरो-शायरी और फिर अभिनय का शौक चर्राया। कक्षा नौ में स्कूल के एक उत्सव में 'श्रवण कुमार' नामक नाटक में पहली बार अभिनय किया। फिर उन्होंने कॉलेज में अभिनय के साथ नाट्य लेखन की शुरुआत की और उनका पहला और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' इतना प्रसिद्ध हुआ कि उन दिनों उसके पूरे भारत में पाँच हजार से ज्यादा शो हुए। हरियाणवी उनकी मात्रभाषा है लेकिन वह अपना लेखन हिन्दी में ही करते हैं। उनकी कहानियां, लघुकथाएं, हिंदी के लोकनाट्य और कला रंग और लोक (आलोचना) जैसे आलेख और साक्षात्कार देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। डा. सुरेश वशिष्ठ के साहित्य पर पीएचडी और एमफिल की उपाधि के लिए शोधकार्य भी हुए। उनके लेखन के फोकस में यथार्थ को दिखाना रहा है, क्योंकि रचनाकार की नजर यथार्थ पर जरूर रहनी चाहिए। डा. सुरेश वशिष्ठ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' में पिछले पच्चीस वर्षों से हरियाणा में, प्रांत उपाध्यक्ष, प्रांत नाट्य प्रमुख, प्रांत साहित्य प्रमुख जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं। वहीं वे तीन वर्ष तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) में सदस्य रहे। इसके अलावा कला, रंग-कर्म और लेखन से संबंधित अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वरिष्ठ ने करीब तीन दर्जन नाटक, करीब पाँच सौ कहानियाँ, दो दर्जन बाल पुस्तकें और पाँच उपन्यास लिखे हैं। उनके कहानी संग्रहों में प्रमुख रूप से खुरदरी जमीन, चली पिया के देश, सिपाही की रस्म, घेरती दीवारें, बहती धारा, लोकताल, श्रंगारण, नीर बहे, ताल मधुरम, झीनी-झीनी रोशनी (भाग-एक), छलकते कलश (भाग-दो), भुला नहीं सका हूँ कहानियाँ, रक्तचरित्र कहानियाँ, अधूरी दास्तान कहानियाँ, सफर कभी रुका नहीं कहानियाँ, निर्झर नीर (खंड-पांच) कहानियां, आदि शामिल हैं।

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

डा. सुरेश वशिष्ठ को हिन्दी साहित्यकार गौरव सम्मान, साहित्यकार सम्मान, साहित्य आराधना सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, सारस्वत सम्मान, साहित्य सृजन से राष्ट्र अर्चन,प्रस्तुत आलेख सम्मान, सामाजिक गौरव पुरूस्कार, विमल शुभ स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, शब्द शक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व-शान्ति सम्मान, डा.राधाकृष्णन सहस्राब्दि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, शिक्षक गौरव सम्मान, गौरक्षक एवं कला सम्मान आदि पुरस्कार एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सुरेश वशिष्ठ
जन्मतिथि : 14 मार्च 1956
जन्म स्थान : बरवाला गाँव, दिल्ली
वर्तमान निवास : गुरुग्राम, हरियाणा
शिक्षा : एम.ए (हिन्दी) बी.एड. पी-एच.डी.
संप्रति : साहित्यकार, रंगकर्मी, कथाकार, नाटककार, उपन्यासकार सेवानिवृत प्राचार्य

जीवन तक दर्शन समझाती 'जीवन के अंधेरे उजाले'

पुस्तक :जीवन के अंधेरे उजाले
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झंडई
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा शशि कांत चौहान

डॉ. हरीशचंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'जीवन के अँधेरे उजाले' इंसान के जीवन की विविधताओं को दर्शाता है। जैसे जीवन में खुशियां और गम आते हैं। जैसा कि स्वयं कवि स्वयं लिखते है कि हमारे जीवन में कई भावनाएं रहती है, जिनसे हमारा जीवन प्रभावित होता है। यही जीवन का दर्शन है। इसी दर्शन से पाठक को रूबरू करवाती है पुस्तक 'जीवन के अँधेरे उजाले'। संग्रह में कुछ 82 कविताएं संकलित की गई है। इन कविताओं में इंसानी रिश्तों, पारिवारिक परिवेश, सामाजिक परिदृश्य देश हित, देशभक्ति और मातृशक्ति के प्रति चिंतन के साथ-साथ त्योहारों की सुंदरता का वर्णन भी देखने को मिलता है। 'कुछ अंधेरे कुछ उजाले' में कवि ने यह समझाने का प्रयास किया है कि इंसान की अपनी कभी नकारात्मक सोच के कारण कैसे जिंदगी प्रभावित होती है और यदि व्यक्ति धैर्य रखे तो समय बदलेगा और एक नई जिंदगी की शुरुआत होगी। संग्रह की पहली कविता बेटे की पुकार के माध्यम से एक परिवार के ऐसे बेटे का दर्द उभारा है जो बहन के प्यार के लिए तरसता है। ऐसे में इस कविता से कवि ने संदेश दिया है कि हमें आपकी बेटियों की रक्षा करनी चाहिए और भ्रूणहत्याएँ जैसे कलंक को समाज से मिटाने की दिशा में काम करना चाहिए। 'दिखती है कभी-कभी महिला शक्ति' में कवि ने समझाया है कि किस तरह से दमन के बावजूद महिलाएं अपने हौसले के दम पर ऊंचाइयों को छूती हैं और अपनी प्रतिभा साबित करती हैं। तब समाज का विस्मित कर देती हैं। 'प्रकृति की छाँव' के माध्यम से ५री सूरज की गर्मी और पक्षियों की चहचहाहट का जिक्र करते हुए कवि पे यह समझाने का प्रयास किय है कि इंसान के जीवन में कितनी भी कठिनाइयों आएं, लेकिन उन कठिनाइयोंत को अंत होना भी निश्चित है। जल ही शक्ति है कविता में डॉ. झंडई ने पानी का महत्व बताने का प्रयास किया है कि यह जीवन के लिए कितना आवश्यक है कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। इस रचना के जरिए कवि ने जल संरक्षण का संदेश दिया है। 'आओ हाथ बढ़ाएं' के माध्यम से कवि ने सभी का आह्वान किया है कि आज की बदलती दुनिया में हमें भी समय के साथ बदलना है। आइए हम दूसरों का मार्गदर्शन करें और दूसरों की तरफ हाथ बढ़ाएं। हरीशचंद्र झंडई के प्रस्तुत संग्रह की भाषा सहल, सरल एवं सीधी-सादी है। संग्रह की रचनाएं अपना संदेश पाठकों तक पहुंचाने में सफल नजर आती हैं। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

छेड़छाड़ मामले का आरोपी तफ्तीश में शामिल

कोसली। पुलिस ने क्षेत्र के एक गांव में छेड़छाड़ व मारपीट करने के मामले में एक आरोपी को तफतीश में शामिल किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत 22 जुलाई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को कोर्ट से अग्रि जमानत मिल गई, जिस कारण पुलिस ने उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद छोड़ दिया।

एमटीपी किट मामले में एक और गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने एमटीपी किट बेचने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 19 जुलाई को मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले युवक को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने एक और आरोपी को काबू किया था। अब इस मामले में बिचौलिए की भूमिका निभाने के आरोपी पाली निवासी कृष्ण को गिरफ्तार किया गया है।

मारपीट केस में एक आरोपी गिरफ्तार

डहीना। पुलिस ने गांव में जून माह में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर 10 जून को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी।

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा

पार्वती बोली भोले से, ऐसा महल बना देना कोई भी देखे तो ये बोले क्या कहना..

झज्जर। बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में भजनों का आनंद लेते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोई किस्मत को जगा सकता है और भटके को सही राह दिखा सकता है। सच्ची मित्रता जीवन का वरदान है। एक सच्चा मित्र मिलना सौभाग्य की बात होती है। जो मुसीबत में समय तुम्हारा साथ देता है, बस वही मित्र है। मित्र एक ऐसा मोती है, जिसे गहरे सागर में डूबकर ही पाया जा सकता है। दोस्ती का नाम आते ही सबके मुंह पर पहले कृष्ण और सुदामा का नाम आता है। वहीं कर्ण-दुर्योधन की मित्रता भी एक बड़ी मिसाल है। यह बात कथा वाचक पंडित पवन कौशिक ने बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा में मित्रता दिवस पर उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए कही। मित्रता जीवन का सर्वश्रेष्ठ अनुभव है। मित्रता करना आसान है, लेकिन निभाना बड़ा मुश्किल है। वहीं, इंदू भुगड़ा व आशा तनेजा ने पार्वती बोली भोले से ऐसा महल बना देना, कोई भी देखे तो ये बोले क्या कहना.. भोले गिरिजा पति हूं तुम्हारी शरण भजन प्रस्तुत श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर संतोष हंस, उषा काठपालिया, पुष्पा मेहता, इंदू शर्मा, आशा नागपाल, आशा तनेजा, विशन वधवा, किरण वर्मा, हर्ष चावला, किरण अरोड़ा, उमा गुलाटी, अश्वनी शर्मा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित अतिथि एवं अन्य।

वैदिक यज्ञ एवं सत्संग में आर्यजनों ने बताई वेदों की महिमा

झज्जर। शहर के माता गेट क्षेत्र में स्थित आर्य समाज मंदिर में रविवार को मासिक वैदिक यज्ञ एवं सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के अलावा निकटवर्ती गांवों से आर्य परिवारों ने भाग लेते हुए यज्ञ में आहुति डालते हुए संसार में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने की कामना की। मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित सेवानिवृत प्राचार्य होशियार सिंह आर्य ने मौजूदा जनसमूह को वेदों की महिमा का बताई। उन्होंने लोगों को ऋषि दयानंद के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में वैदिक कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की 10वीं और 12वीं कक्षा की होनहार छात्राओं को मुख्यातिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। सम्मानित होने वाली होनहार छात्राओं में दसवीं कक्षा से हंसिका, खुशी, निशु, तेजवती, दीपांशी, इशु, माही, भूमि व चेतना तथा बारहवीं कक्षा से सांची, संजू, इशिका, फागुन, भावना व अनीता शामिल हैं। इस मौक पर राजीव आर्य, प्रकाश वीर आर्य, डॉक्टर गौतम आर्य, जितेंद्र आर्य, अमित नागपाल, ब्रह्मचारी इंद्रजीत, अनमोल आर्य, सुमित्रा आर्य, रमेश, नव पंख सोसायटी प्रमुख पंकज, राकेश अरोड़ा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

ग्रामीण चौकीदारों ने लंबित मांगों को लेकर किया मंथन

झज्जर। मीटिंग में उपस्थित ग्रामीण चौकीदार। फोटो :हरिभूमि

- दो सितंबर को चौकीदार अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

ग्रामीण चौकीदार सभा द्वारा सीआईटीयू कार्यालय में बैठक का आयोजन कर चौकीदारों की विभिन्न मांगों को लेकर मंथन किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता जिला प्रधान राजेंद्र सुलौधा ने की जबकि संचालन रामजीवन द्वारा किया गया। मीटिंग में जिला प्रधान ने कहा कि बीते दिनों हुई राज्य कमेटी की मीटिंग में फैसला लिया गया कि सभी जिलों में ब्लॉक स्तर पर मीटिंग का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण चौकीदार 24 घंटे कार्य करता है जिसके बदले सरकार उसे 11 हजार रुपये वेतन देती है। चौकीदारों को रीड की हड्डी कहने वाली सरकार द्वारा उनकी जायज मांगों की ओर भी कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा। जिसके कारण ग्रामीण चौकीदारों में सरकार के प्रति रोष बना हुआ है और आगामी दो सितंबर को चौकीदार अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान सीआईटीयू नेता प्रवेश मातनहेल ने भी संबोधित किया। उनकी मुख्य मांगों में ग्रामीण चौकीदार को पक्का किया जाना, जब तक पक्का नहीं किया जाता तब तक न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये दिया जाना, ग्रामीण चौकीदारों के रिक्त पदों को भरना, उन्हें मेडिकल सुविधा देना तथा ग्रामीण चौकीदार की मृत्यु पर आश्रितों को दस लाख रुपये की मुआवजा राशि दिया जाना शामिल है।

गांव नूना माजरा में हुई काव्य गोष्ठी

- अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने मैत्री दिवस के उपलक्ष्य में किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। नूना माजरा में हुई काव्य गोष्ठी में उपस्थित रचनाकार।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की जिला इकाई द्वारा मैत्री दिवस के उपलक्ष्य में गांव नूना माजरा में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्था के जिला संरक्षक कृष्ण गोपाल विद्यार्थी और जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक के सानिध्य में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुग्राम के वरिष्ठ साहित्यकार त्रिलोक कौशिक ने की। कार्यक्रम में डॉ. मंजू दलाल, जगबीर कौशिक, अनिल भारतीय, मोहित कौशिक, पवन कुमार व शिवम ने सभी को मैत्री दिवस की शुभकामनाएं दी। अपनी कविताओं के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने सुनाया कि मत कर यहां बिगड़े हुए हालात की बातें। लाशों को क्या समझाएगा जज़्बात की बातें। विरेन्द्र कौशिक ने पढ़ा कि मेरा जीवन तार तार हो गया। तलवार की वो धार हो गया। नादां उम्र में किसी बेवफा से, मुझको बहुत प्यार हो गया। जगबीर कौशिक ने सुनाया कि नहाया धोया सेंट लगाया मन का धोया मैल नहीं। जो भीतर का काला हो वो किसै काम का छैल नहीं। मोहित कौशिक ने पढ़ा कि हम ने जिम्मेदारियों की ऐसी राह चुनी है। घर की हर एक ख्वाहिश बन्दूक सी तनी है। मां की दवाई ने निवाला छोटा कर दिया, बच्चे की तालीम जान की दुश्मन बनी है। डॉ. मंजू दलाल ने सुनाया कि हर पल आजकल नजारे हैं तुम्हारे। चलती हैं धड़कनें भी, इसी सोच के सहारे।

सामाजिक रूप से मनाया जाएगा इनसो का स्थापना दिवस : पाराशर

झज्जर। जननायक जनता पार्टी की छात्र इकाई इंडियन नेशनल स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (इनसो) के स्थापना दिवस को सामाजिक रूप से मनाया जाएगा।

विकास शर्मा, जिला प्रवक्ता जेजेपी।

जिला प्रवक्ता विकास पाराशर ने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष बिज शर्मा व रणबीर सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया की जजपा का सदस्यता अभियान पूर्ण रूप से सफल हुआ और जिले के सभी नए सदस्यों की सभी प्रतिलिपियां बीस हजार नए सदस्य व हर हलके से पांच हजार नए सदस्यों की सूची गत दिनों हुई मीटिंग में जिला प्रभारी व जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में जमा करवाई गई। उन्होंने बताया कि जिस तरह से पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला के युवा जोड़ो अभियान में सफल हो रहे हैं उससे विपक्षी दलों व सत्ता पक्ष में खलबली मची हुई है । आज न केवल हरियाणा का युवा बल्कि किसान कमेरों ने भी एक बार फिर जजपा में अपना समर्थन देना शुरू कर दिया है।

सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र छुछकवास में हुआ पहला समझौता : सीजेएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

विशाल, सीजेएम एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

- सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने का आह्वान किया

क्षेत्र के गांव छुछकवास स्थित ग्राम सचिवालय में सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र खोला गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल ने बताया कि न्यायालयों पर बढ़ रहे मुकदमों के भार को मद्देनजर रखते हुए उच्चतम न्यायालय द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जिन मुकदमों एवं दरखास्त में मध्यस्थता के द्वारा विवाद समाप्त होने की संभावना है उन मुकदमों एवं दरखास्त को सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र में प्रशिक्षित मध्यस्थ कर्मजीत छिल्लर, संदीप जांगड़ा ,सरोज देवी की नियुक्ति की गई है। यह सभी प्रशिक्षित मध्यस्थ द्वारा जिला झज्जर में होने वाले लघु विवादों में दोनों पक्षों को सुनकर आपसी सहमति के द्वारा भाईचारा कायम रखते हुए विवादों का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि आमजन कर्मजीत छिल्लर मोबाइल नंबर 9050891964, संदीप जांगड़ा मोबाइल नंबर 7015343009, सरोज 8059391003 नंबर पर अपनी समस्या बताकर सुझाव ले सकते हैं व अन्य समस्या के समाधान के लिए प्रार्थना पत्र भी दे सकते हैं।

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में भाग लेने के लिए झज्जर रवाना हुए भाजपाई

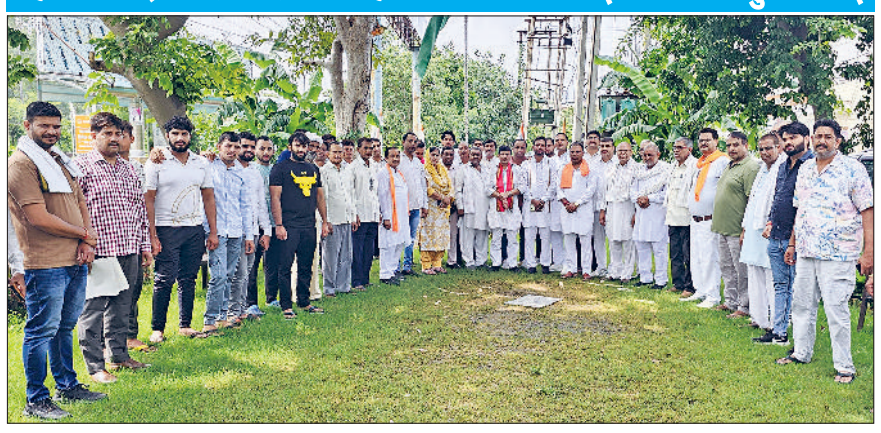

बहादुरगढ़। रविवार सुबह सेक्टर-2 में एकत्र भाजपा कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। भाजपा के विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक के नेतृत्व में असंख्य कार्यकर्ता झज्जर की नई सब्जी मंडी में आयोजित महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में भाग लेने के लिए रवाना हुए। रविवार को सेक्टर-2 स्थित पार्टी कार्यालय पर एकत्रित होने के बाद भाजपाई नारे लगाते हुए झज्जर के लिए रवाना हुए।

भुनी हुई मक्का की बिक्री ने पकड़ा जोर, जगह-जगह दिखाई देने लगी रेहड़ियां

झज्जर। बरसात के कारण आजकल शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर भुनी हुई मक्का अर्थात भुट्टों की बिक्री खूब हो रही है। शहर भर में भुट्टे बेचने के लिए रेहड़ीवाले अब जगह-जगह दिखाई देने लगे हैं। भुट्टा बेचने वाले जय सिंह का कहना है वे पिछले एक पखवाड़े से रेहड़ी लगाकर भुट्टे बेच रहे हैं लेकिन पिछले तीन-चार दिनों से हो रही बरसात के कारण भुट्टों की बिक्री में काफी बढ़ोतरी हुई है। भुट्टा खाने का यह मौसम खासतौर पर शहरी लोगों के बीच लोकप्रिय है, जो बारिश की बूंदों के साथ भुट्टा खाते हुए मौसम का आनंद लेते हैं। भुट्टा विक्रेता इस मौसम में अपनी आमदनी को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि बरसात का मौसम मक्का की बिक्री के लिए सबसे अच्छा समय होता है। लोग गरमा-गरम भुट्टों का स्वाद लेने के लिए अपनी राह बदलते हुए रेहड़ी के पास आते हैं।

स्मृति सभा में भागीदारी को लेकर एसयूसीआई कार्यकर्ताओं ने की चर्चा

झज्जर। बैठक में उपस्थित एसयूसीआई पदाधिकारी और कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। एसयूसीआई कम्यूनिस्ट की लोकल कमेटी की बैठक रविवार को मातनहेल गांव में हुई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी सचिव फूलकुमार ने की जबकि संचालन पार्टी के प्रदेश कमेटी सदस्य जयकरण मांडौठी द्वारा किया गया। बैठक में फैसला लिया गया कि पार्टी के संस्थापक महामंत्री कॉमरेड शिवदास घोष की 49वीं बरसी पर सोनीपत में मनाए जाने वाली स्मृति सभा में जिले से सैंकड़ों कार्यकर्ता व समर्थक भाग लेंगे। जिला कमेटी सदस्य कामरेड रामकिशन व लोकल कमेटी सचिव फूलकुमार ने भी अपने-अपने संबोधन में कहा कि बेतहाशा बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, छंटनी, तालाबंदी और निजीकरण की नीति की वजह से आम जनता का जीवन बदहाल है। जहां सरकार ने पूंजीपति वर्ग को अरबों रुपये की कर्ज माफी दी है। वहीं देश का किसान कर्ज न चुका पाने के कारण आत्महत्या कर रहा है। जिसके कारण आमजन का सरकार के प्रति रोष बढ़ता ही जा रहा है। इस मौके पर सरदार सिंह, रिसाल सिंह, राम अवतार, रमेश कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बादली में 46 ने किया रक्तदान

शिविर का उद्घाटन समिति अध्यक्ष नरेश कौशिक ने किया

- समाजसेवी जयचंद गुलिया ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

लोकहित समिति द्वारा रविवार को बादली के बस स्टैंड पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 46 युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर का उद्घाटन समिति अध्यक्ष नरेश कौशिक ने किया। उनके अनुसार एक बार में किया गया रक्तदान चार जरूरतमंदों की जान बचा सकता है। समाजसेवी जयचंद गुलिया ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया। साथ ही भविष्य में भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। कैंप में जयचंद गुलिया व नवीन बादली ने भी सहयोग किया।

बहादुरगढ़। रक्तदाता को प्रोत्साहित करते नरेश कौशिक। फोटो :हरिभूमि

ब्रह्माकुमारीज के सेक्टर 13 सेवाकेंद्र पर रक्षाबंधन का विशेष कार्यक्रम आयोजित

रक्षाबंधन का आध्यात्मिक महत्व समझाया

- राखी बांधने का अर्थ हर विचार, शब्द और कर्म में पवित्रता और प्रेम के मूल संस्कारों का उपयोग करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ब्रह्माकुमारियां व अन्य। फोटो :हरिभूमि

ब्रह्माकुमारीज के सेक्टर 13 सेवाकेंद्र पर रविवार को रक्षाबंधन का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संस्था की बहादुरगढ़ प्रमुख बीके अंजलि, बीके विनीता व बीके रेणु आदि ने उपस्थित लोगों को रक्षाबंधन का आध्यात्मिक महत्व समझाया। कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्यों से भी सभी को अवगत करवाया गया। बीके अंजलि ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार तिलक लगाने, पवित्र धागा बांधने, मिठाई खिलाने, शुभकामनाओं और उपहारों के आदान-प्रदान से शुरू होता है। उन्होंने कहा कि मस्तक के बीचों बीच आत्मा के स्थान पर तिलक लगाने का अर्थ पवित्र आत्मा होने की सत्यता के प्रति जागरूक होना है।

उन्होंने कहा कि राखी बांधने का अर्थ हर विचार, शब्द और कर्म में पवित्रता और प्रेम के मूल संस्कारों का उपयोग करना। बीके विनीता ने बताया कि जब राखी रूपी पवित्र धागा हमारी कलाई पर बंधता है, तो वो हमें स्वयं और परमात्मा से किए गए वायदे याद दिलाता है। मिठाई खाकर हमारे विचार, शब्द, भावनाएं और इरादे हमेशा मीठे होने की भावना बढ़ती है। बीके रेणू दीदी ने आह्वान किया कि इस रक्षाबंधन अपनी किसी भी बुरी आदत, गलत संस्कार या गंदी लत को हमें छोड़ना चाहिए। ऐसा करके हम स्वयं को, अपने परिवार को और परमात्मा को सबसे अच्छा उपहार दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्मकुमारी बहनों ने सभी भाइयों को राखी बांधी और ऐश्वर्या सौगात भेंट की। इस दौरान बीके प्रीति व बीके रवींद्र गुप्ता भी मौजूद रहे।

इनेलो के जिला प्रेस प्रवक्ता बने योगेश सैनी

झज्जर। इंडियन नेशनल लोकदल द्वारा संगठन को सक्रिय एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से इकाई का विस्तार करते हुए योगेश सैनी को पार्टी का जिला प्रेस प्रवक्ता नियुक्ति किया है। यह नियुक्ति पार्टी के जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान की अध्यक्षता में आयोजित संगठनात्मक बैठक में की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि योगेश सैनी लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भावना से कार्य कर रहे हैं। संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपनी इस नियुक्ति पर योगेश सैनी ने पार्टी की शीर्ष कमान का आभार जताते हुए कहा कि जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी गई है वह उन पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

झज्जर। इनेलो कार्यकर्ताओं के बीच नव नियुक्त प्रेस प्रवक्ता योगेश सैनी।

खबर संक्षेप

युकां ने मेट्रो विस्तार नहीं होने पर सरकार को घेरा

बहादुरगढ़। मेट्रो का विस्तार बहादुरगढ़ से आगे होने का कोई प्रस्ताव मंत्रालय के पास नहीं होने का खुलासा होते ही युवा कांग्रेस भी एक्टिव हो गई है। युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव प्रदीप यादव ने कहा कि कांग्रेस राज में भूपेंद्र हुड्डा के अथक प्रयासों से दिल्ली मेट्रो को बहादुरगढ़ तक लाने की प्रक्रिया सिरे चढ़ी थी। आरटीआई में हुए खुलासे साफ है कि इससे आगे मेट्रो विस्तार की कोई योजना शहरी विकास मंत्रालय के पास नहीं है।

महावीर पार्क में जांचा लोगों का स्वास्थ्य

बहादुरगढ़। शहर के महावीर पार्क में स्थित आकाश अपार्टमेंट में मैक्स हेल्थ केयर की तरफ से रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में असंख्य लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। प्रबंधक सतीश भारद्वाज के अनुसार कैंप में लोगों की शुगर जांच, पीएफटी, बीएमआई व हार्ट से संबंधित जांच की गई।

भाजपा राज में हर वर्ग खुशहाल : डॉ. पंकज

बहादुरगढ़। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार हर वर्ग का कल्याण कर रही है। हरियाणा में विपक्ष नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। भाजपा के सुशासन में प्रदेश की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। पहले परिवारवाद और वंशवाद का बोलबाला था।

महापंचायत में भाग लेने हरिद्वार गए सैनी

बहादुरगढ़। हरिद्वार में आयोजित सैनी समाज की महापंचायत में भाग लेने के लिए बहादुरगढ़ से भाजपा नेता जसबीर सैनी, प्रधान नरेश सैनी, नीरज सैनी, प्रधान बिजेंद्र सैनी, राजू सैनी, भूपेंद्र सैनी, कृष्ण सैनी, गौरव सैनी, प्रवीण सैनी व हरीश सैनी आदि रवाना हुए। उन्होंने कहा कि सैनी जाति नहीं बल्कि समाज का एक हिस्सा है।

बहादुरगढ़। सांखोल में खेतों की मेड़ पर पेड़ लगाते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

संघर्षशील जनकल्याण समिति ने लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- सांखोल में खेत की हर मेड़ पर पेड़ लगाने का अभियान चलाया
- राठी ने अपने खेतों के मेड़ पर पौधे लगवाए

हरियाली को बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति ने गांव सांखोल में अनोखा अभियान शुरू किया। हर मेड़ पर पेड़ अभियान के तहत 51 पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की गई।

अभियान की शुरुआत में राजपाल राठी ने अपने खेतों के मेड़ पर पौधे लगवाए। मेजर सुधीर राठी ने बताया कि आज इस अभियान में पहाड़ी पापड़ी, जंगल जलेबी, शीशम, नीम व जामुन आदि के पौधे लगाए गए। समिति सदस्य सोमेश राठी ने बताया कि गांव के अन्य किसानों ने भी इस अभियान से प्रेरणा लेते हुए अपने खेतों के मेड़ पर पौधे लगाने की इच्छा जाहिर की है। सितेंद्र राठी ने बताया कि पहले खेतों में बहुत सारे पेड़ होते थे, जिनके नीचे बैठकर किसान अपनी दिनभर की थकान दूर करता था। लेकिन आज पेड़ों की संख्या नाममात्र रह गई है। ऐसे में हमें अपने खेतों की हर मेड़ पर पेड़ जरूर लगाने चाहिए। इससे मिट्टी का क्षरण रुकता है। खेत की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है।

साथ ही पेड़ अनेक पक्षियों और जैव विविधता का सहारा भी बनते है। समिति सदस्यों के अनुसार इस अभियान के तहत अब मानसून के बाकी बचे समय में मेड़ों पर पेड़ लगाए जाएंगे।

भाजपा सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन कर सभी वर्गों को विकास में बराबर भागीदार बनाया : गंगवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

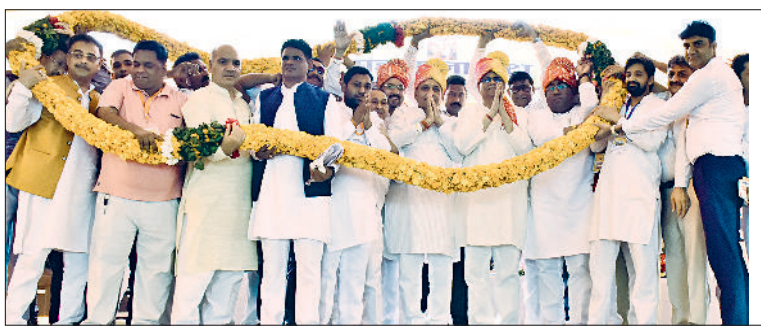

झज्जर। समारोह में अतिथियों का माला से स्वागत करते हुए आयोजक। फोटो : हरिभूमि

केंद्र और प्रदेश में हमारी सरकार ने देश व प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन का काम किया है,जिसके चलते आज प्रदेश की तकदीर व तस्वीर बदल रही है। नौकरियों के मामले में आई पारदर्शिता से युवाओं में खुशी है। यह बात हरियाणा के लोक निर्माण व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने पूर्व की सरकारों पर नौकरियों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले नौकरियों में भाई भतीजावाद का बोलबाला था। प्रदेश में जब से भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनी,बिना पर्ची खर्ची के नौकरियों की पारदर्शी व्यवस्था की गई है,जिससे युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरी मिल रही हैं। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने दक्ष प्रजापति जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि समाज, देश और दुनिया को बनाने में दक्ष प्रजापत समाज का बड़ा अहम रोल है। इस दौरान जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, धर्मवीर वर्मा, नीरज भगत, राजेश दुजाना, नरेश खोहाल, शिव कुमार रंगीला सहित अन्य भी मौजूद रहे।

कुलासी में 125 ने करवाई नेत्र जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कुलासी में रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते कैंप के आयोजक। फोटो : हरिभूमि

रविवार को गांव कुलासी की बड़ी चौपाल में फौजी भाईचारा ग्रुप द्वारा नेत्र जांच व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मदीना से आए डॉ. कमल ने 125 लोगों की आंखों को जांचा और उन्हें उचित परामर्श दिया।

मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी दी गई। शिविर में 51 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। सन फ्लैग रोहतक की टीम ने रक्त संचय किया। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए हेलमेट वितरित किए गए। सुरेश खत्री फौजी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की।

विधायक ने लाइब्रेरी का किया उद्घाटन

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने रविवार को गांव आसौदा स्थित दादा बूढ़ा मंदिर परिसर में ग्रामवासियों द्वारा निजी खर्च से बनाई गई लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। उन्होंने लाइब्रेरी के विस्तार के लिए अपनी नेक कमाई से 21 हजार रुपए भी दिए। मास्टर सुधीर ने बताया कि दादा बूढ़ा शिक्षा समिति ने लाइब्रेरी बनाई है। यहां युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे।

वकीलों ने मांगी सुरक्षा

बहादुरगढ़। एडवोकेट विक्रम सिंह छिल्लर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली से मुलाकात कर हरियाणा के वकीलों को एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट के तहत बीमा सुरक्षा दिए जाने की मांग की है। इस अवसर पर एडवोकेट संदीप गुलिया, अशोक अहलावत, सुमित देशवाल, अजय छिल्लर, अनिल कुमार व मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

कन्या जन्म पर कुआं किया पूजन

बहादुरगढ़। लाइनपार के नेताजी नगर में कन्या के जन्म पर कुआं पूजन कर खूब खुशियां मनाई गई। परिवार की महिलाओं ने परंपरागत तरीके से सभी रस्में संपन्न कराई। नवजात कन्या के पिता नारायण सिंह के अनुसार बेटी को लेकर लोगों की सोच में परिवर्तन हो रहा है। सोनिया ने कुआं पूजन किया। दादा करण सिंह, दादी सावित्री, मोनिका, नरेंद्र, शीला, गुड्डी, आशा वर्कर निक्की व आंगनवाड़ी वर्कर अनीता ने नवजात कन्या को आशीर्वाद देते हुए उसकी लंबी आयु की कामना की।

पूर्व विधायक ने मेहंदीपुर में की पूजा

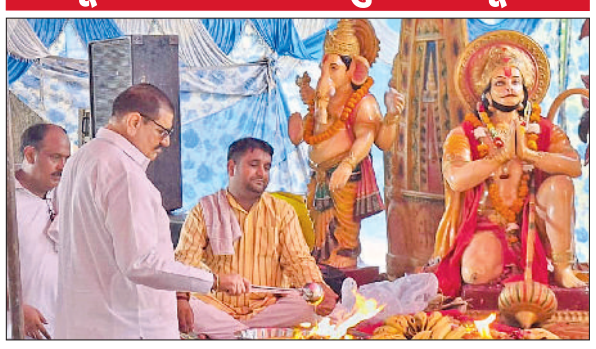

बहादुरगढ़। गांव मेहंदीपुर डाबोदा कला में रविवार को आयोजित वार्षिक भंडारे में शिरकत करते हुए पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने भी पूजा अर्चना की। साथ ही सभी हलका वासियों के लिए सुख व समृद्धि की कामना की। इसके अलावा श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया और ग्रामीणों से संवाद किया।

बहादुरगढ़। मेहंदीपुर गांव में ग्रामीणों के साथ विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

दादा जोहड़ वाले के भंडारे में पहुंचे विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- मंदिर कमेटी व ग्रामवासियों को सफल आयोजन पर दी बधाई

विधायक राजेश जून ने रविवार को गांव मेंहदीपुर डाबोदा कलां में आयोजित दादा जोहड़ वाले के वार्षिक भंडारे में शिरकत की। ग्रामीणों द्वारा स्वागत व सम्मान उपरात उन्होंने श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही अपनी नेक कमाई से 11 हजार रुपए का सहयोग भंडारे में किया। उन्होंने भंडारे के सफल आयोजन पर मंदिर कमेटी व ग्रामवासियों को बधाई भी दी।

खुशहाल कक्षा विषय पर क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं प्रशिक्षक। फोटो : हरिभूमि

एमआर सीनियर सैकेंडरी स्कूल हसनपुर में वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए खुशहाल कक्षा विषय पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीबीएसई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पंचकुला की इनहाऊस पहल के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक मीना कौशिक ने शिक्षकों को कार्यक्रम का उद्देश्य व खुशहाल कक्षा वातावरण के नवीनतम दृष्टिकोणों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि खुशहाल कक्षा विकसित करना एक छात्र के समग्र विकास का अनिवार्य हिस्सा है। यह केवल शैक्षणिक दक्षताओं तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन की जटिलताओं से निपटने के लिए तैयार करने का भी एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में प्रस्तुत खुशहाल कक्षा तकनीकों ने शिक्षकों को अपने कक्षा वातावरण को अधिक सकारात्मक, प्रेरणादायक और संवेदनशील बनाने की दिशा में प्रेरित किया। प्राचार्या संगीता कोडान ने विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ मिलकर प्रशिक्षक मीना कौशिक को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि उनका संस्थान शुरू से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शिक्षकों के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। नवीनतम परिवर्तनों की जानकारी शिक्षकों तक पहुंचाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन आवश्यक है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

कलाई पर फ्रेंडशिप बैंड बांधकर दी बधाई

युवाओं पर छाया रहा फ्रेंडशिप का खुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। फ्रेंडशिप-डे पर एक दूसरे का साथ निभाने का वायदा करती युवतियां। फोटो : हरिभूमि

रविवार को दोस्ती का दिन बहादुरगढ़ में भी उत्साह के साथ मनाया गया। खास तौर पर युवा वर्ग उत्साहित नजर आया। विदित है कि अगस्त के पहले रविवार को फ्रेंडशिप डे मनाया जाता है। रविवार होने के बावजूद शहर के अनेक इलाकों में दोस्ती की महफिलें सजी।

बेशक वर्तमान में दोस्ती के मायने बदल गए हैं। कृष्ण और सुदामा जैसे उदहारण कम ही देखने को मिलते हैं। लेकिन उन जैसी दोस्ती की मिसाल आज भी दी जाती है। बहादुरगढ़ में रविवार को युवाओं ने यार-दोस्तों के साथ मिलकर फ्रेंडशिप डे मनाया। कईयों ने शहर के पार्कों पर जाकर तो अनेकों ने होटलों व रेस्त्रां में पार्टी कर जश्न मनाया। दोस्तों के प्रति अपनी भावनाओं का इजहार किया। कुछ ने गिफ्ट्स के जरिए अपनी दोस्ती का इजहार किया तो अधिकांश ने अपने दोस्त की कलाई पर फ्रेंडशिप बैंड बांध कर दोस्ती बनाए रखने का संकल्प लिया। सोशल नेटवर्किंग साइट पर दोस्तों को फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं देने का सिलसिला शनिवार रात से ही शुरू हो चुका था।

सभी ने अपने-अपने तरीके से रविवार के दिन का खूब मजा लिया। इस सेलिब्रेशन का उल्लास ग्रामीण इलाकों में भी महसूस किया गया। लोगों ने ई-कार्ड व दूसरे हाईटेक साधनों से दूरदराज में रहने वाले अपने मित्रों को फ्रेंडशिप डे की बधाई दी।

बालाघाट से लौटे जूनियर फुटबॉलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मध्य प्रदेश के बालाघाट में हुई बीसी रॉय ट्रॉफी में हरियाणा की जूनियर फुटबॉल टीम राजस्थान के साथ अपना पहला मैच ड्रा करने में सफल रही। लेकिन असम के साथ अपना दूसरा मैच 0-1 से हार गई। इस टीम में झज्जर जिले से प्रियांशु, अर्जुन, तन्मय व आयुष भी शामिल थे। टीम के साथ मुख्य कोच सुदर्शन सिंह व कोच सहायक विनय जून भी थे। कोच सुदर्शन सिंह ने जूनियर खिलाड़ियों की सराहना करते हुए बताया कि बालाघाट में लगातार 10 दिन से हो रही बारिश के बावजूद उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन किया।